विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 21 से 27 नवंबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 22 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

प्रभु द्वारा सब कुछ देने के बाद भी जो लोग असंतुष्ट रहते हैं, उन्हें इस जीवन में कभी सुख नहीं मिलता है. लेकिन मेहनत तथा प्रभु कृपा से प्राप्त को पर्याप्त मानने वाले सदैव प्रसन्न रहते हैं. हमें सदैव प्राप्त है वही हमारे लिए पर्याप्त का भाव रखना चाहिए, कभी नाराज नहीं होंगे.

पेज नंबर 2

ठंड अगले सप्ताह से दिखाएगी जोरदार असर

पेज नं.2

चौकाने वाला हो सकता है राज्य विधानसभा का चुनाव, चर्चा में सामने आ रही बात

पेज नं.3

लाखों जिंदगियों को संवारने वाले प्रेरणादायी वक्ता हैं आनंद प्रकाश चौकसे,28 को शहर में

पेज नं. 6

अपनी जीत को लेकर अपार विश्वास है विधायक रवि राणा को, रचेंगे उपलब्धि

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

राज्य के ४१३६ प्रत्याशी इवीएम में लॉक

अमरावती सहित राज्य में मतदान का प्रतिशत घटा

राज्य में लगभग 60 फीसदी के करीब मतदान, अमरावती में 65.40 फीसदी मतदान

विदर्भ स्वाभिमान,20 नवंबर

मुंबई- महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव के तहत मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होकर 4136 उम्मीदवारों के भाग्य इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में लॉक हो गया. राज्य में लगभग 60 फीसदी के करीब मतदान हुआ. मतदान प्रक्रिया बुधवार सुबह 7 बजे से शुरू हुई. इस बार पहली बार सुबह से ही मतदाताओं में मतदान को लेकर उत्साह देखा गया. सुबह से ही मतदाता मतदान के लिए बाहर निकले. लेकिन कुछ विधानसभा सीटों पर मतदान का प्रतिशत घटा है. पिछले चुनाव की तुलना में इस बार मतदान कम हुआ है.इस चुनाव में एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), एनसीपी और शिवसेना के गठबंधन वाली महायुति है तो दूसरी तरफ कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) की महाविकास अघाड़ी गठबंधन है. महायुति और महाविकास आघाड़ी के बीच वर्चस्व की लड़ाई देखने को मिल रही है. ऐसे में ये चुनाव दोनों ही गठबंधनों के लिए बेहद अहम है. इससे शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे), शिवसेना, एनसीपी, एनसीपी (अजित पवार) जैसी पार्टियों पर आखिर कौन सबसे ज्यादा ताकतवर है, इसका भी अंदाजा लग जाएगा. चुनावी नतीजे चौकाने वाले भी रहने की संभावना जताई जा रही है. लाड़ली बहन योजना क्या इफेक्ट करेगी, इस पर भी चर्चा है.आज राज्य की 288 सीटों पर मतदान डाले जा रहे हैं. नतीजे 23 नवंबर को आएंगे.फिलहाल महायुति-महाविकास गठबंधन इस चुनाव में पूर्ण बहुमत से वापसी का दावा कर रहे हैं.

अमरावती जिले में शांतिपूर्ण रहा मतदान

65.40 फीसदी मतदाताओं ने किया मतदान,रिजल्ट 23 को

विदर्भ स्वाभिमान,13 नवंबर

अमरावती- राज्य विधानसभा चुनाव की अमरावती जिले की आठ सीटों पर शांतिपूर्ण माहौल में मतदान हुआ है. जिले में 65.40 फीसदी मतदान हुआ है. हमेशा की तरह ही पढ़े-लिखे लोगों पर मेलघाट क्षेत्र के मतदाता हावी रहे और सरकार द्वारा मतदान के लिए तमाम सुविधाएं, छुट्टी देने के बाद भी अमरावती जिले में मुख्यालय का मतदान प्रतिशत कम रहने से चिंता बढ़ी है.

जिलाधिकारी सौरभ कटियार,जिप सीईओ संजीता महापात्रा के साथ ही सभी अधिकारियों द्वारा मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए गए. ऐसे में मतदान का प्रतिशत बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. शहर में कम मतदान निश्चित तौर पर चिंता वाली स्थिति है. मतदान प्रक्रिया मतगणना 23 नवंबर को होने और चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तक जारी रहेगी. अब चुनाव विभाग मतगणना की तैयारियों में व्यस्त हो जाएगा. दो दिनों तक करोड़ों रूपए खर्च करने वाले दमदार प्रत्याशियों को नींद नहीं आएगी, जो केवल खड़े रहने के लिए खड़े थे, उन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा. कल भी सोए थे और दो दिन भी आराम करने की चर्चा लोगों में देखी गई.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

अगले सप्ताह से ठंड दिखाएगी जोरदार असर

ग्लोबल वार्मिंग का असर सभी पर पड़ रहा है. मौसम का बदला तारतम्य जहां इसका उदाहरण है, वहीं ठंड अभी तक नहीं पड़ने के बाद भी अगले सप्ताह से यह तेज होने की संभावना है. पर्यावरण के साथ की जा रही गड़बड़ी के कारण यह स्थिति पैदा हो रही है, यह भविष्य के लिहाज से घातक है. मौसम के साथ इन्सान द्वारा की जा रही मनमानी और छेड़छाड़ के कारण मौसम का गणित बिगड़ गया है. यही कारण है कि बारिश में गर्मी और गर्मी में ठंडी तथा ठंडी में गर्मी पड़ रही है. इस साल अमरावती सहित विदर्भ में ठंड भी तड़ाके की रहने की संभावना जताई जा रही है. बढ़ता प्रदूषण, प्रकृति के साथ खिलवाड़ के कारण काफी दिक्कतें बढ़ने वाली हैं. विदर्भ स्वाभिमान का मानना है कि जीवन के लिए हम जिस तरह स्वयं का ख्याल रखते हैं, उसी तरह हमें पर्यावरण का ख्याल भी रखना का प्रयास करना चाहिए और इसमें योगदान देने का विचार करना चाहिए. सर्दियों के मौसम की शुरूआत हो चुकी है गर्मियों के मुकाबले सर्दियों का मौसम भी अधिकतर लोगों को पसंद होता है लेकिन ध्यान रखें क्योंकि सर्दियों में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी अधिक होती हैं साथ ही साथ दिल्ली समेत कई अन्य राज्यों का प्रदूषण लेवल भी बहुत खराब है जिससे हवा जहरीली हो चुकी है ऐसे में आपको अपनी त्वचा और अपने फेफड़ों का खास ख्याल रखने की जरूरत है. स्किन स्पेशिलिस्ट के अनुसार सर्दियों में ठंड पड़ने की वजह से स्किन रूखी होने लगती है और प्रदूषण से स्किन काली होने लगती है और उसपर झुर्रियां होने लगती हैं. ऐसे में ध्यान रखें कि आप अपने शरीर को पूरी तरह ढक कर बाहर जाएं ताकि आपको स्किन या सांस संबंधी कोई बीमारी होने का खतरा न रहे.ऐसे में आपको अपने फेफड़ों के साथ ही अपनी त्वचा का भी खास ख्याल रखने की जरूरत है.सर्दियों में ठंड की वजह से स्किन रूखी होने लगती है और प्रदूषण से स्किन काली होने लगती है.अपने शरीर को पूरी तरह ढक कर बाहर जाएं ताकि आपको स्किन संबंधी परेशानी न हो.त्वचा का मॉइस्चर लेवल मेंटेन करके रखें, इसको मेंटेन रखने के लिए अधिक मात्रा में पानी पिएं ताकि बॉडी हाइड्रेट रहे और त्वचा में नमी बनी रहे. सर्दी-प्रदूषण बढ़ने से एक्जिमा, स्किन में ड्राई पैचेस बनकर खुजली होने की समस्या भी होती है.इसके अलावा इस मौसम में स्किन एलर्जी होने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है और पिगमेंटेशन का खतरा भी हो सकता है. मौसम में बदलाव से बीमारियों का खतरा भी बढ़ा है. ऐसे में जरूरी है कि हम पर्यावरण संतुलन में योगदान दें और वसुंधरा की जरूरतों का ख्याल रखते अधिकाधिक पेड़ लगाएं.

विधायक रवि राणा हैं जननेता

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

मतदाता निलेश चौधरी ने जताई अपनी भावना

कहते हैं कि योग्य व्यक्ति कहीं भी क्यों नहीं रहे, वह अपना स्थान निश्चित तौर पर लोगों के दिलों में बनाता है.बडनेरा के विधायक रवि राणा न केवल बडनेरा, अमरावती,विदर्भ बल्कि गरीबी से जूझते हुए राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी चमक बिखेरने वाले नेता हैं. उनके स्वभाव, उनकी विनम्रता लेकिन जनता के लिए जुझारू भूमिका के साथ ही जनता के लिए कुछ भी करने वाली भूमिका कभी हारने नहीं देती है. स्पष्टता तथा बोले तैसा चाले वाली नीति के कारण ही बडनेरा में वह इतिहास उन्हों ने रचा है, जो इतिहास स्थापित नेताओं का परिवार कभी नहीं रच पाया है. वहां के पहले ऐसे जननेता हैं, जिनसे हर समाज, हर वर्ग सदैव खुश रहता है और वे भी सदैव सभी की मदद को तत्पर रहते हैं. रवि राणा को बहुजनों का चेहरा इसीलिए कहा जाता है कि विधायकी की हैट्रिक करने के बाद भी उन्हों ने सदैव जनता को ही अपना गॉडफादर माना. इतना ही नहीं तो गुस्सा आने पर स्पष्टता के साथ बोलते हैं. अमरावती में आज सैकड़ों धार्मिक स्थलों का कायाकल्प करने वाले और बिना भेदभाव सभी की मदद के लिए तत्पर रहने वाले रवि राणा द्वारा कमाई गई दुवाएं कभी भी बेकार नहीं जा सकती हैं. इस चुनाव में यद्यपि संघर्षपूर्ण स्थिति है लेकिन मुझे पूरा विश्वास है कि जनता के दिलों में रहने वाले रवि राणा की ही जीत होगी. हां यह हो सकता है कि सभी एक हो जाने और एकजुट होने के कारण उनकी जीत का अंतर कम हो सकता है लेकिन दुवाएं हमेशा की तरह ही इस बार भी असर दिखाने की पूरी संभावना है. रवि राणा को माताएं बेटे के रूप में, बहनें भाई के रूप में और युवा अपने मित्र के रूप में देखते हैं. उनकी जीत के लिए हजारों लोगों ने मन्नतें मान रखी है, यह अपार प्रेम केवल और केवल रवि राणा को ही मिल सकता है. चुनाव संघर्षपूर्ण जरूर है लेकिन जिस तरह से वे पांच साल लोगों के संपर्क में रहते हैं और सुख-दुख के साथी होते हैं, उससे जीत उनकी पक्की है.

विधानसभा चुनाव परिणाम होगा चौकाने वाला

लोगों की राय पर विदर्भ स्वाभिमान का आकलन मतों का ध्रुवीकरण किसे तारेगा, किसे मारेगा

विदर्भ स्वाभिमान

राज्य विधानसभा का चुनाव इस बार अलग होने जा रहा है. इसमें जहां दोनों महागठबंधन पूरी ताकत झोंक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आदी आबादी रहने वाली महिलाएं जिसके पक्ष में हों गी, उसका नतीजा निश्चित तौर पर तारक होगा और महिलाओं का विरोध कई दलों के लिए मारक भी साबित हो सकता है. विदर्भ स्वाभिमान द्वारा इस बारे में कई महिलाओं की मौखिक राय जानने के बाद इस बार विधानसभा चुनाव का नतीजा चौकाने वाला रहने की बात सामने आयी है. इसमें महायुति को लेकर महिलाओं में अपार सहयोग और विश्वास दिखाई देना जहां उनके लिए शुभ कहा जा सकता है, वहीं मतदान के दौरान महिलाओं की मतदान केन्द्र पर उमड़ी भीड़ भी कुछ अलग ही कहानी कह रही है. इसमें कई दिग्गज नेताओं का भविष्य भी दांव पर लगने से इंकार नहीं किया जा सकता. लाड़ली बहन योजना राज्य में विधानसभा का चुनाव बदलने वाला फैक्टर साबित हो सकता है. संभवत इसी को ध्यान में रखते हुए विपक्ष द्वारा इस योजना का विरोध किया जा रहा था. लेकिन यह विरोध करते हुए महिलाओं के रोष की बची-खुची कमी भी महाविकास आघाड़ी ने पूरी कर दी. 288 सीटों वाली विधानसभा में क्या नतीजा निकलता है यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन सदैव तुष्टीकरण की नीति पर चलने वाले राजनीतिक दलों के दिन भरने वाली स्थिति दिखाई दे रही है.

अमरावती जिले का इतिहास भी इस बार अलग ही दिखाई दे रहा है. लोकसभा चुनाव के बाद राजकमल चौक पर किया गया प्रदर्शन और इसमें हुई हरकतें मतों का ध्रुवीकरण करने के लिए काफी मानी जा रही है. कई लोग कु छ बोल भले ही नहीं रहे हैं लेकिन अमरावती जिले की राजनीति में यह मामला भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है. अमरावती में मुस्लीम आमदार का फैक्टर निश्चित तौर पर इसे गति देगा. ऐसे में यहां कड़ा संघर्ष करने वाली स्थिति में कौन बाजी मारेगा, यह कहा नहीं जा सकता है. लेकिन फिर भी यहां की जीत निश्चित तौर पर अलग ही इतिहास रचने वाली होगी. पिछले कुछ वर्षों में राजनीति में वह बदलाव नहीं दिखाई दिया, जो इस बार के चुनाव में दिखाई दिया.प्रमुख मुद्दों की बजाय चुनाव मेंरहकर स्वयं पर ध्यान देने की बजाय अपने प्रतिद्वंदी को निपटाने वाली मानसिकता हावी रही. महाराष्ट्र का यह चुनाव जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए काफी महत्वपूर्ण है, वहीं कांग्रेस के लिए साख बचाने का भी मौका है. इसमें कांग्रेस की हार ही राज्य में कांग्रेस का भविष्य तय करने वाली हो सकती है. जीवन में किसी भी क्षेत्र में अहंकार कभी भी पतन का माध्यम बनता है. रवि राणा हर सभा में जिस तरह से लोगों को बताने का प्रयास कर रहे हैं, वह इस बार भी चलने वाली स्थिति है. वहीं मतदाताओं की खामोशी के बाद भी जारी चर्चाओं का निचोड़ सकारात्मक निकलने से इंकार नहीं किया जा सकता है. राजनीति में ऐन समय पर कौन सा फैक् टर चल जाए, यह कहना मुश्किल है लेकिन चुनाव का चित्र बदला है और यह चौकाने वाले नतीजे देने से इंकार नहीं किया जा सकता है. 23 को यह पता चलेगा. मतदान केन्द्र से निकलने वाले मतदाओं की चर्चाओं के आधार पर यह संभावना है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

लाखों जिंदगियां संवारने वाले प्रेरणादायी वक्ता

महान व्यक्तित्व हैं आनंद प्रकाश चौकसे,रग-रग में रहता है शिक्षा,सेवाभाव

ज़ीवन में कुछ लोगों का स्थान लाखों लोगों के दिलों में रहता है. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं उच्च विद्याविभूषित शिक्षाविद, मानवता सेवा को जीवन का सूत्र मानने वाले प्रा.आनंद प्रकाश चौकसे. उनके कार्य को शब्दों में व्यक्त करना कठिन होने की बात प्राचार्य सुधीर महाजन जैसे राष्ट्रीय वक्ता अगर कहते हैं तो निश्चित तौर पर उनके व्यक्तित्व का अंदाजा लगाया जा सकता है. वे अमरावती में 28 नवंबर को आ रहे हैं. यहां ज्ञानेश्वर सांस्कृतिक भवन में उनके मार्गदर्शन का कार्यक्रम रखा गया है. इसमें अधिकाधिक संख्या में युवाओं तथा सभी को शामिल होना चाहिए.

संघर्षमय रहा जीवन

राष्ट्रीयस्तर पर ख्याति अर्जित करने वाले कुछ लोग ऐसे होते है जिनका जीवन संघर्षो से परिपूर्ण होता है. प्रख्यात मिसाइलमैन एवं पूर्व राष्ट्रपति स्व.अबुल कलाम साहब इस बात के जीवंत उदहारण है. जिन्होंने अपनी शिक्षा पूर्ण करने के लिए मुफलिसी के दिनों में अखबार बांटने जैसे काम भी किया. वहीं डॉ. सर्वपिल्ली राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति बनने के पूर्व एक सामान्य शिक्षक की भूमिका निभाई. ऐसे ही एक सामान्य परिवार में जन्मे आनंद प्रकाश चौकसे जो अपने शैक्षणिक काल मे पढ़ाई में तो अव्वल थे, पर घर की माली स्थिति ठीक नहीं रहने से कक्षा 11 वीं की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने के बावजूद इंजीनियरिंग में प्रवेश के सबसे बेहतर कालेज जी.एस.आई.टी.एस., ईन्दौर में

सेलेक्ट हो जाने के बाद भी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण जा नहीं सके.फिर भी हिम्मत नहीं हारी. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से एम.एससी. (गणित) की गोल्ड मैडल के साथ पूर्ण की. मन में एक टीस थी की वे इंजीनियर न बन पाए तो बच्चों को इंजीनियर बनाने के उद्देश्य से 1990 में अपनी कोचिंग क्लास की शुरुवात की.आदर्श और छात्रों के बेहतरीन मार्गदर्शक बने. 6 साल की अथक मेहनत के बाद कोचिंग क्लास से 50 विद्यार्थी प्रतिवर्ष बच्चे मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रतियोगी परीक्षा में चयनित होने लगें. उसके बाद 1998 में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के बच्चों के लिए न्यू विजन हायर सेकेंडरी स्कूल की शुरुवात की जहां सिर्फ प्रतियोगी परीक्षाओं में जाने वाले बच्चों को प्रवेश देना शुरू किया. 2000 में माताजी श्रीमती सुशीला देवी चौकसे के पीएफ के पैसों से जमीन खरीद कर मेक्रो विज़न एकेडेमी के नाम से सी.बी.एस.ई. स्कूल की शुरुवात की. मेहनत और लगन से बच्चों को आईआईटी और मेडिकल के लिए तराशना शुरू किया. 2008 में आईआईटी में पहला बच्चा चयनित हुआ वहीं उस वर्ष में भी 4 बच्चों का चयन उनकी तपस्या का फल माना.उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नही देखा. पिछले शैक्षणिक वर्ष में 64 बच्चों ने आई.आई.टी. (एडवांस) और 234 आई.आई.टी. (मेंन्स) के लिए क्वालीफाई किया, वहीं 100 प्रतिशत बच्चे नीट में क्वालीफाई कर चुके हैं. आज मेक्रो विज़न एकेडेमी में 2796 बच्चे पढ़ते है. जिनमे 1494 बच्चे होस्टल में रहते हैं. आज मेक्रो विज़न भारत का सबसे बड़ा हॉस्टल स्कूल है. फोब्स इंडिया पत्रिका द्वारा 2018 में मेक्रो विजन एकेडेमी को भारत की बेस्ट स्कूल के रूप में सम्मानित किया जा चुका है. विश्व की सबसे बड़ी कंपनी एप्पल की टेक्नोलॉजी के उपयोग के कारण स्कूल एप्पल से मान्यता प्राप्त एशिया का पहला स्कूल है.स्कूल के 2550 विद्यार्थियों के पास एप्पल आईपैड है.स्कूल के अलावा आल इज वेल 360 बेडेड सुपर स्पेश्यालिटी हॉस्पिटल का निर्माण पूर्ण हो चुका है. जिसमे 11 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, के साथ 70 बेडेड आईसीयू की सुविधा उपलब्ध है.आनंद चौकसे के ताऊजी स्व. श्री घनश्यामदास चौकसे बुरहानपुर के प्रसिद्ध सेवा सदन महाविद्यालय के सृजनकर्ता एवं प्राचार्य रहे, वहीं पिता स्व.श्री जीवनलाल चौकसे भी शिक्षाविद रहे. चाचा स्व. प्रेमनारायण चौकसे लालबाग हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य रहे और छोटे चाचा श्री जयप्रकाश चौकसे दैनिक भास्कर ग्रुप के प्रसिद्ध फिल्म समीक्षक एवं परदे के पीछे नामक डेली कालम के रचनाकार है. वहीं पत्नी श्रीमती मंजूषा चौकसे वनस्पति विज्ञान में एम.एससी. स्वर्ण पदक विजेता है और मेक्रो विज़न एकेडेमी की संचालक है.पूरा चौकसे परिवार शिक्षा सेवा के साथ ही समाजसेवा के लिए पूरे देश में जाना जाता है.

इंजीनियरिंग और मेडिकल के क्षेत्र बुरहानपुर के साथ अब सम्पूर्ण देश के बच्चों को चयनित करवाने के साथ विश्व में अनेक क्षेत्रों में अपना परचम लहराया है. क्षेत्र के लगभग 1200 से अधिक कर्मचारियों की टीम बिना जातिपांति के भेदभाव के साथ काम कर रही है. कलचुरी कलाल समाज के अध्यक्ष के तौर पर बुरहानपुर में बिना किसी चंदे के सामुदायिक भवन का निर्माण मात्र एक वर्ष में करवाया. समाज के सामूहिक विवाह, परिचय सम्मेलन जैसी गतिविधियो में सक्रिय योगदान भी रहता है. 20 एकड़ पर आर्गेनिक खेती कर स्कूल के विद्यार्थियों के लिए अनाज एवं सब्जी का उत्पादन किया जा रहा है. जिसका उपयोग होस्टल में रह बच्चो के भोजन में होता है. बुरहानपुर शहर का मुगलकालीन इतिहास से गहरा नाता रहा है. शाहजहाँ की बीबी मुमताज की मृत्यु बुरहानपुर में हुई थी. ताजमहल का निर्माण बुरहानपुर में ही प्रस्तावित था, पर कुछ कारणों से यह आगरा में बनाया गया. बुरहानपुर के इतिहास को जीवित रखने के उद्देश्य से ताजमहल का प्रतिरूप अपने स्कूल कैम्पस में स्वयं के निवास के रूप में बनाई. जो स्कूल कैम्पस का दर्शनीय स्थल भी है. अमरावतीवासियों को उनके विचारों को सुनने का शानदार मौका मिला है, इसका लाभ लेने की अपील विदर्भ स्वाभिमान करता है.

वर्तमान में जिम्मेदारी

वर्तमान में आप मेको विजन एकेडमी, बुरहानपुर,मैक्रोविजन स्कूल खण्डवा, एनिशियल रेस्टारेंट, सरताज गोट फार्म एवं रिसर्च सेन्टर बुरहानपुर, का संचालन कर रहे है. साथ ही बुरहानपुर चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इन्ड्रस्टीज के संरक्षक का पदभार भी आप संभाल रहे है.हमारी शुभकामनाएं.

मेरे जैसे लाखों शिक्षकों के प्रेरणास्थान-सुधीर महाजन

राष्ट्रीयस्तर के वक्ता और उनके विद्यालय का 12 साल प्राचार्य पद संभाल चुके पोदार इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य उन्हें अपना गुरू मानते हैं. साथ ही कहते हैं कि सर के कारण उनके जैसे लाखों छात्रों का जीवन संवरा है. शिक्षा क्षेत्र में बुरहानपुर को विश्व के मानचित्र में ख्याति दिलाने का श्रेय देते हैं. साथ ही कहते हैं कि उनके जैसे लाखों शिक्षकों, छात्रों का जीवन संवारने वाले आनंद प्रकाश चौकसे को शब्दों में बांधा नहीं जा सकता है. हर क्षेत्र में उनका मानवतावादी कार्य मेरे जैसे के लिए प्रेरणा से कम नहीं है.जीवन में सदैव सकारात्मक रहने की सीख जहां उन्हों ने दी है, वहीं मेहनत,मेहनत को ही सफलता का पर्याय मानते हैं. अपने गुरू के सम्मान में वे भावुक हो जाते हैं. कैरियर गाइडंस और पैरेंटिंग पर उनके व्याख्यान का सभी से लाभ लेने का आग्रह प्राचार्य सुधीर महाजन ने किया है.

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

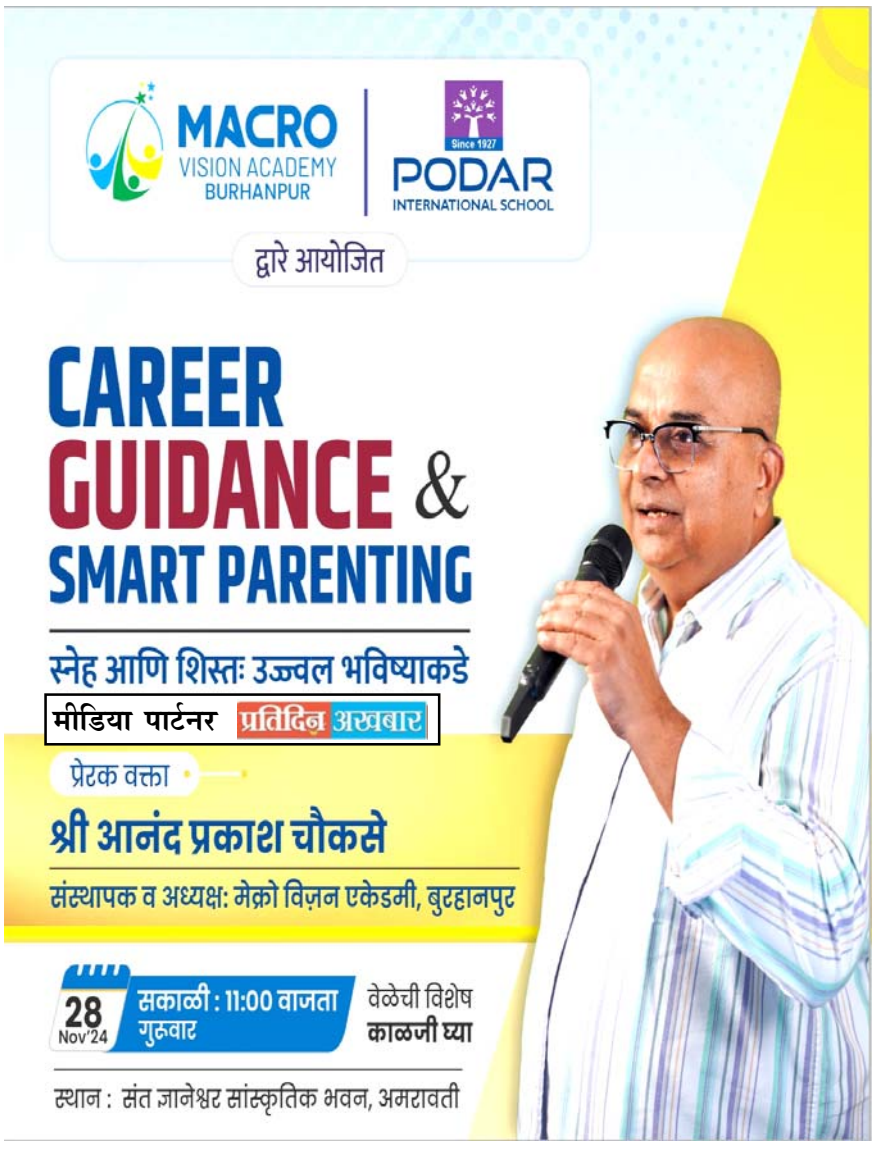

सभी को सामाजिक दायित्व निभाने का प्रयास करना चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान के दिवाली विशेषांक के विमोचन मौके पर लेडी गवर्नर डॉ.कमल ताई गवई की सलाह,शांति ताई कोठारी का किया गया शानदार सत्कार

अमरावती-जीवन में इंसान के रूप में जितना संभव हो सांस चलने तक सामाजिक कार्य में भी योगदान देना चाहिए. सामाजिक कार्य करते समय न केवल सकून मिलता है बल्कि बेहतरीन कार्य करने की प्रेरणा भी मिलती है. पत्रकारिता में राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान ने हमेशा सकारात्मक पत्रकारिता को महत्व दिया. यही कारण है कि आज यह अपार लोकप्रिय हिंदी अखबार के रूप में विदर्भ के लोगों का चहेता बना है. इस तरह की सकारात्मक समाचार पत्र को सहयोग करने की भावना भी होनी चाहिए. महाराष्ट्र के अलावा यह अखबार उत्तर प्रदेश में भी जाता है.इस आशय का प्रतिपादन लेडी गवर्नर डॉ. कमल ताई गवई ने किया. वह मासोद स्थित ज्ञान शांति ओल्ड एज होम में विदर्भ स्वाभिमान तथा पुराने चावल संगठन की ओर से आयोजित दीपावली विशेषांक विमोचन तथा सत्कार कार्यक्रम में बोल रही थी. कार्यक्रम की अध्यक्षता विदर्भ स्वाभिमान के मार्गदर्शक संपादक, भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय ट्रस्टी सुदर्शन गांग ने की. मंच पर सत्कार मूर्ति शांतिताई कोठारी,समाजसेवी धीरूभाई सांगानी, डॉ. गोविंद कासट, संपादक विजय गायकवाड, विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे, प्रदीप जैन, कंवरीलाल ओस्तवाल, प्राचार्य संजय शिरभाते, पुराने चावल के रविंद्र फुकटे, दीपेंद्र मिश्रा सहित संगठन के सभी पदाधिकारी और मान्यवर उपस्थित थे.

मौके पर सामाजिक कार्यों में अग्रणी कोठारी परिवार की प्रमुख शांतिताई कोठारी का विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से मान्यवरों के हाथों सत्कार किया गया. सभी अतिथियों ने विदर्भ स्वाभिमान की सकारात्मक और सामाजिक प्रतिबद्धता वाली पत्रकारिता की सराहना की. मौके पर ज्ञान शांति के सभी सेवक कर्मचारियों का सत्कार अतिथियों के हाथों किया गया. प्रस्तावना

में दीपावली विशेषांक की विशेषता बताते हुए सुभाष दुबे ने कहा कि यह भारत का एकमात्र ऐसा अखबार है जिसने पिछले 15 वर्षों में कभी भी नकारात्मक खबरों को कभी स्थान नहीं दिया. मातृ पितृ सेवा, सनातन धर्म की महत्ता, राष्ट्र धर्म और मानवता की सेवा को ही सदैव प्रोत्साहित करने का कार्य किया है. समाज के हर वर्ग का इस अखबार को साथ मिलने का गौरवपूर्ण उल्लेख भी किया. डॉ. गोविंद कासट ने कोठारी परिवार की दरियादिली और सामाजिक कार्यों पर मार्गदर्शन किया. दैनिक मतदार राज के संपादक विजय गायकवाड़ ने विदर्भ स्वाभिमान के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए सुभाष दुबे को अपना मार्गदर्शक बताया. साथ ही कहा कि यह दोनों ही अखबार सदैव सामाजिक प्रतिबद्धता और दिन दलित और पिछड़ों को न्याय दिलाने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं.

कार्यक्रम की सफलतार्थ विदर्भ स्वाभिमान की मुख्य प्रबंधक वीणा दुबे, मार्केटिंग हेड श्वेता, वंशिका, ऋषिकेश, रितेश दुबे के अलावा ओम, सिद्धि हातगांवकर, नीलिमा ठोंबरे, गौरी अय्यर, कल्पना भट्टाचार्य, पुराने चावल संगठन के रविंद्र फुकटे, नितिन सिंह राजपूत, विपिन मिश्रा, चंद्रकांत कमाविसदार, चंद्रकांत काले, श्रीवल्लभ पेठकर, विजय जयस्वाल के अलावा बड़ी संख्या में सदस्य, उपवन की व्यवस्थापक अमृता ताई, दीपक जैन के साथ सभी बुजुर्ग माता-पिता उपस्थित थे. 2 घंटे तक चले कार्यक्रम ने क्षेत्र का पूरा माहौल ही बदल दिया. अंत में आभार प्रदर्शन विदर्भ स्वाभिमान तथा पुराने चावल की ओर से रविंद्र फुकटे ने किया.

संत नामदेव महाराज जयंती पर स्वस्थ्य शिविर में उमड़े मरीज

हजारों जरूरतमंदों ने लिया शिविर का लाभ, लप्पीभैया की सराहना

विदर्भ स्वाभिमान,20 नवंबर

अमरावती- सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहने वाले चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के सहयोग से संत नामदेव महाराज जयंती पर स्वास्थ्य शिविर लिया गया. इसका सैकड़ों जरूरतमंद मरीजों ने लाभ लिया. साथ ही समाजसेवी लप्पीभैया की सराहना की. संत नामदेव जयंती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य मोफत स्वास्थ्य जाँच शिबिर का आयोजन किया गया था. श्री संत गजानन महाराज मंदिर, श्री क्षेत्र कौंडण्यपुर में मंगलवार को सुबह 10 से 2 बजे - तक आयोजित इस शिबिर का शुभारंभ सेवानिवृत्त लेफट. लक्ष्मणराव गाले की अध्यक्षता में सुप्रसिध्द समाजसेवक चंद्रकुमार उर्फ लप्पी जाजोदिया ने किया.

इस अवसर पर आँखो की जांच के साथ मोती बिंदू शस्त्रक्रिया, नाक, कान, गला, बालरोग, त्वचा रोग,स्त्रीरोग, दंतजाँच, पाईल्स के साथ जनरल स्वास्थ्य जाँच भी की गई. डॉ साक्षी जिंतुरकर तथा राजन आडतिया के प्रयासो सें इस शिबिर में

सैकड़ों मरीजो ने जांच का लाभ उठाया. स्व. मधुसदन बेनीप्रसाद जाजोदिया की स्मृती में आयोजित इस कार्यक्रम में चंद्रकांत पोपट, पूजा साबले, प्रकाश साबळे, आर्वी के पूर्व नगराध्यक्ष प्रशांत सव्वालाखे, माधुरी कालसर्पे, सौ सिमा गुडधे, सौ वंदना बोबडे, आदी प्रमुखता से उपस्थित थे. सुधाकर होले, प्रभुदयाल जयस्वाल, अतुल ठाकरे, राजाभाउ युवनाते, अजय गेडाम, प्रकाश राजगुरे, निळकंठ सातव, दिलीप मेहकर, आशिष दुबे, बाबुराव चव्हाळे, शरद जोध आदी ने इस आयोजन में उपस्थित रहकर सहयोग दिया-इस शिबिर में डॉ.मंजुषा देशमुख, डॉ.मनिषा लव्हाले, डॉ. ऐश्वर्या पाचगडे, डॉ. यश पाठक, डॉ. साक्षी जिंतुरकर, डॉ. सुभाषचंद्र वासने आदि ने स्वास्थ्य सुविधा दी. इस अवसर पर डॉ. गोपाल मुगवानकर, डॉ. साक्षी शर्मा, लक्ष्मण दाभाडे, गजानन भोंगे, तन्वी घारड, संतोष हरणे, मीना अढाउ, ज्योती शिरालकर, प्रणाली काठोले, स्मिता पातरकाले, अलका ग.भोंगे, ज्योत्सना साबले, अनिता चिंचोलकर, कांचन इंगले, गायत्री विलायतकर, आरती गवई, अमिता वाकोडे, विमल चुडे, आशा सावले, अर्चना ईश्वरकर, अंजली इंगोले, शारदा मेश्राम, मिलींद पाठक, हरिभाऊ राव, अथर्व जावरकर, राजेश पोसरकर ने सफल बनाने में सहयोग दिया. सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए समाजसेवी चंद्रकुमार जाजोदिया के प्रति आभार जताया.

आदिवासी रहे पढ़े-लिखे मतदाताओं से बुद्धिमान

त्वरित टिप्पणी मेलघाट में मतदान के प्रतिशत ने किया साबित

अमरावती- मतदान को लेकर शहरी लोगों से मेलघाट के मतदाता जागरूक निकले हैं. यहां पर मतदान का प्रतिशत अमरावती से 15 फीसदी अधिक है. अमरावती जिले की आठ विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो गया. शांतिपूर्ण मतदान के साथ दिव्यांगों के रिकॉर्ड मतदान के लिए सेल के सभी अधिकारियों कर्मचारियों के साथी जिलाधिकारी सौरभ कटियार कि मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में सफलता पर और जिला ग्रामीण पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद सिंगूरी तथा शहर पुलिस आयुक्त नवीन चंद्र रेड्डी सहित सभी अधिकारियों और जवानों की भी सराहना की जानी चाहिए. लोकतंत्र में हर वोट कीमती होता है लेकिन इसके बाद भी अमरावती शहर मतदान में पिछड़ना निश्चित ही चिंता और सोचनीय स्थित है. हमसे अधिक समझदार आदिवासी बहुल मेलघाट और अन्य क्षेत्रों में मिले.

जिले में विधानसभा का चुनाव बुधवार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया. इसके लिए जिला चुनाव प्रशासन और पुलिस के साथ ही चुनाव में जुटे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का अभिनंदन किया जाना चाहिए. जिले में विधानसभा की आठ सीटों के लिए बुधवार को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक औसतन करीब 65.12 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया.सुबह 7 से शाम 6 बजे तक अचलपुर निर्वाचन क्षेत्र में सर्वाधिक 72.14 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि संभागीय मुख्यालय अमरावती के मतदाताओं की उदासीनता शर्मनाक कहना गलत नहीं होगा. हमसे अच्छे मतदान के मामले में धारणी और मेलघाट के मतदाता रहे, जिन्होंने जबर्दस्त वोटिंग की. रात में देर तक यहां पर वोटिंग चलती रही. जबकि अमरावीत सीट पर सबसे कम 55.98 फीसदी वोट पड़े. मोर्शी में 71.34 प्रतिशत, मेलघाट में 71.75, दर्यापुर में 63.65, धामणगांव में 61.59, बडनेरा में 57.57 और तिवसा विस क्षेत्र में 67.99 प्रतिशत मतदान हुआ. शाम 6 बजे तक का यह मतदान प्रतिशत अनुमानित होने की जानकारी जिला चुनाव प्रशासन की ओर से दी गई. चुनाव के दौरान मतदाताओं की समझदारी के चलते कहीं से भी तनाव वाली स्थिति नहीं है. पुलिस के साथ ही चुनाव अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा दिए जा रहे सहयोग और मतदाताओं के मार्गदर्शन की भी सराहनी की जानी चाहिए.शहर समेत जिले में शांतिप्रिय ढंग से मतदान के लिए निपटा.मतदान बढ़ाने के लिए सरकार, चुनाव आयोग, जिला प्रशासन द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया. बावजूद इसके अमरावती में हुई कम वोटिंग ने साबित किया है कि पढ़े-लिखे शहरी लोगों की तुलना में मतदान के महत्व को लेकर आदिवासी जनता अत्याधिक गंभीर और समझदार है.

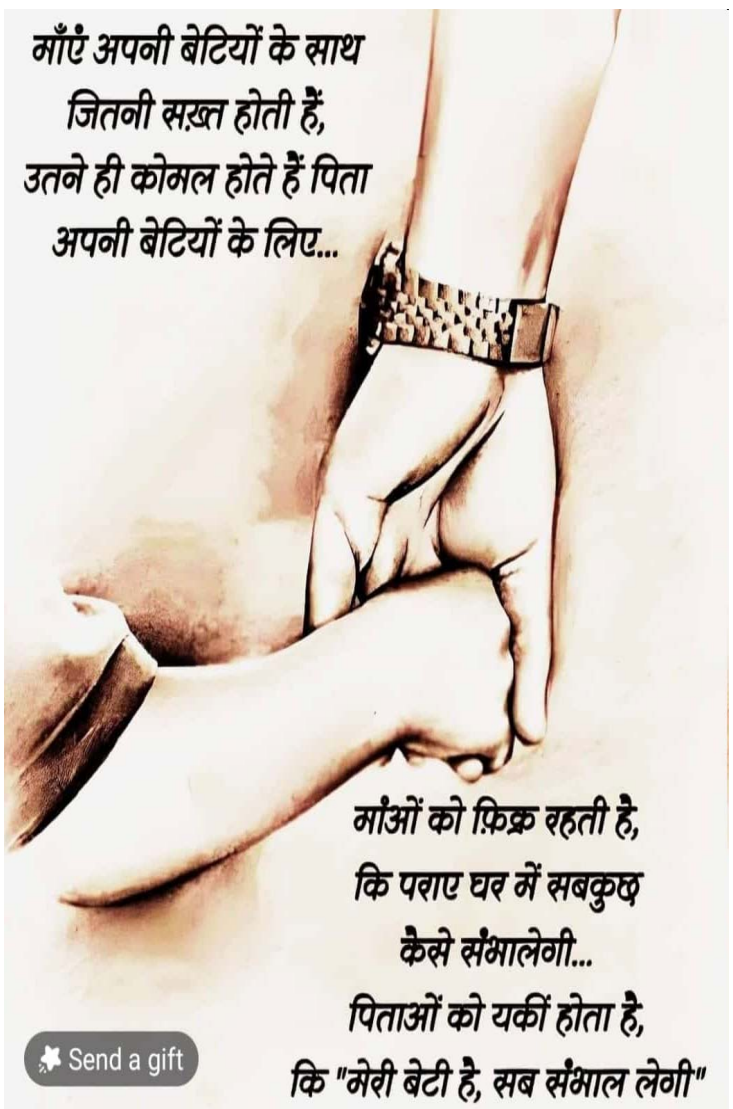

विदर्भ स्वाभिमान

जरूरी नम्बर

टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
राजापेठ थाना-2672010	

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मतदाताओं के विश्वास पर खरा उतरने का भरोसा

सामाजिक जीवन से ही मिली है राजनीति में कामयाबी, लोगों का प्रेम मेरी सबसे बड़ी कमाई

सबका साथ, सभी का विश्वास में है यकीन

मैंने जीवन में सामाजिक कामों के मध्यम से राजनीति में प्रवेश किया. लोगों की दुवाएं सदैव मेरे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं. मैं किसी राजनीतिक खानदान से नहीं हूं लेकिन मेरे दिल में मेरे लोग और लोगों के दिलों में मैं सदा रहता हूं. यही कारण है कि मैं जनता के लिए किसी से भी जूझने में संकोच नहीं करता हूं. लोगों का यही प्यार मेरे जीवन का सबसे बड़ा आधार है. लोगों के सहयोग से ही मैं इस बुलंदी तक पहुंचा हूं. इस बार भी केवल चुनाव तक नहीं मैं पांच साल लोगों के संपर्क में रहता हूं, उनका दुःख,दर्द सुनता हूं और जो भी संभव होता है, वह करने का प्रयास करता हूं. मुझे अपनी सफलता पर पूरा विश्वास है.

रवि राणा,विधायक

भाजपा को जिताने नवनीत ने बहाया पसीना

लोकसभा चुनाव में गलती होने की बात अमरावती जिले की जनता महसूस कर रही है.भाजपा में शामिल होने के बाद जिस तरह से नवनीत राणा ने अपनी हार का गम भुलाकर पार्टी को बेहतरीन सफलता दिलाने के लिए पसीना बहाया है, मुझे पूरा विश्वास है कि जिले में भाजपा की शानदार जीत होगी. भाजपा प्रत्याशियों की प्रचारार्थ उसने अचलपुर सहित अन्य क्षेत्रों में भी सभाएं ली और भाजपा महायुति के प्रत्याशी की विजय के लिए हरसंभव प्रयास किया. जिले में इस चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन बेहतरीन रह सकता है. राजकमल चौक पर हुआ हंगामा और लाड़ली बहन योजना के कारण महायुति सरकार की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है, इसका लाभ निश्चित तौर पर महायुति को मिलेगा.

विदर्भ स्वाभिमान,20 नवंबर

अमरावती- जीवन में कई बार हमारे द्वारा किए जाने वाले कार्य ही हमारा संबल और आधार बनते हैं. जब हम अच्छा करते हैं तो कोई ऐसी शक्ति है, जो हर तरह से मदद करती है. मैं बचपन से ही संवेदनशील रहा हूं. मुझसे किसी का दुःख देखा नहीं जाता है. यही कारण है कि गरीबी के दिनों में अपने भोजन में से दूसरे जरूरतमंद को भोजन देने में मुझे संकोच नहीं होता है. माता-पिता का आशिर्वाद, लोगों का साथ ही मेरी कामयाबी का गणित है. लोगों का प्यार मुझे सदैव मिला है. उनके ही प्यार के कारण राजनीति में प्रवेश करने और सक्रिय होने के बाद लोगों का साथ मिला है. राष्ट्रधर्म के साथ ही सभी की मदद के लिए तत्पर रहने वाली मेरी विचारधारा को लोगों ने सदैव पसंद किया. मुझे जीतने के लिए सदैव सभी का साथ मिला. यही कारण है कि जनता मेरी और मैं जनता का यह सिद्धांत हो गया. इसके भरोसे ही मैं निश्चिंत रहता हूं. मेहनत में पीछे नहीं हटता हूं और बडनेरा के सर्वांगीण विकास के साथ ही अमरावती का विकास भी सदैव मेरी प्राथमिकता रहता है. इस आशय का मत बडनेरा में हैट्रिक की ऐतिहासिक उपलब्धी हासिल करने के साथ चौथी बार मैदान में उतरे और अपनी जीत को लेकर आश्वस्त दिखाई देने वाले रवि राणा ने कही. उनकी प्रचार सभाओं में उमड़ने वाली हजारों महिलाओं, पुरूषों की भीड़ ने उनकी जीत का चुनावी नतीजा लगने के पहले ही संकेत दे दिया है.

फड़णवीस का मार्गदर्शन

भाजपा नेता और मुझे सदैव मार्गदर्शन करने वाले उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस मेरे मार्गदर्शक हैं. जिले के विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहते हैं. अमरावती से उनका अत्याधिक प्रेम रहने से जिले के विकास के लिए समस्या का नरिाकरण करने के लिए तत्पर रहते हैं. मेरे जीवन में सदैव जनता का प्यार मिला है, उसकी वजह से ही आज मैं और नवनीत राणा यहां हैं. ऐसे में जनता से बढ़कर मेरे लिए और कोई नहीं हो सकता है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ ही राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस मेरे सदैव मार्गदर्शक रहे हैं. उनकी सलाह और मार्गदर्शन हम दोनों के लिए सदैव सर्वाधिक उपयोगी साबित हुआ है. इस आशय का मत बडनेराके लोकप्रिय विधायक आदर्श मित्र, आदर्श पति रवि राणा ने किया. 28 अप्रैल को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 18 वर्षों से राजनीति में वे सक्रिय हैं. उनकी सबसे बड़ी ताकत जनता और कार्यकर्ता हैं, जो तन-मन-धन से उनके साथ खड़े रहते हैं. जनता के लिए कुछ भी करने के लिए तत्पर रहने वाले विधायक राणा कई बार विवादों में भी आते हैं. लेकिन उनका कहना है कि जनता के विश्वास के लिए अगर उन्हें विवाद भी करना पड़ता है तो वे पीछे नहीं हटते हैं. उद्देश्य केवल और केवल जनता का हित रहता है. वे जितन लोकप्रिय उतने ही विवादित नेता भी रहे हैं. यही कारण है कि ऐसा शायद ही कोई दिन जाता है, जब मीडिया या टीवी चैनलों पर राणा दम्पति का कुछ न कुछ नहीं रहता है. जनता की सेवा के साथ ही जिले के सर्वांगीण विकास के लिए भी राणा दम्पति सदैव तत्पर रहता है. यही कारण है कि जनता का सदैव विश्वास उन्हें मिलता है.

शून्य से संसार बनाने वाले रवि राणा का कहना है कि जीवन में कई बार हमारी नेकी ही हमें सिंहासन पर पहुंचाती है. इसके जिवंत उदाहरण विदर्भ के लोकप्रिय विधायक रवि राणा हैं. बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के राजनीति के क्षेत्र में आज उनका सिक्का न केवल जिला,राज्य बल्कि केन्द्रीय राजनीति तक चलता है. युवा स्वाभिमान को राजनीति के साथ ही स्थापना के दिन से ही जनहित में जोड़ने वाले, हर साल गरीबों की मदद खुशियों के मौके पर करने वाले वे एकमात्र नेता हैं.न केवल राज्य बल्कि राणा दम्पति की चर्चा भारत ही नहीं तो कई मामले में विश्वभर में होती रहती है.

महिलाओं का व्यापक साथ

विधायक रवि राणा की सभाओं में हर वर्ग की उमड़ने वाली भीड़ जहां उनके जीत का संकेत देती है, वहीं दूसरी ओर सभी जाति,धर्म के लोगों की नजरों में वे बेहतरीन युवा नेतृत्व हैं. मातृ शक्ति का सदैव सम्मान करने के साथ वे कहते हैं कि युवा स्वाभिमान पार्टी को भी उन्होंने राजनीति के साथ जनता की सेवा में पूरी तरह से समर्पित पार्टी बना दिया है. हजारों को रक्त, गरीबों की मदद, दीपावली तथा अन्य पर्व पर गरीबों को किराणा लगभग 15 साल से बांटते आ रहे हैं.

जोरदार ठंड ने किया हलकान, चिखलदरा में तापमान तेजी से गिरा

तापमान में तेजी से होगी गिरावट
चिखलदरा में पर्यटक संख्या में भारी गिरावट

विदर्भ स्वाभिमान,20 नवंबर

अमरावती - इस साल ठंड अब तेजी से असर दिखाने की संभावना जताई जा रही है. मौसम में बदलाव के कारण हर मौसम का गणित गड़बड़ा गया है. जिले के चिखलदरा तहसील में तापमान में कमी के साथ ही पर्यटकों की संख्या भी कम हुई है. इससे यहां पर व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं.अगले सप्ताह से अमरावती सहित अन्य स्थानं पर ठंड की तीव्रता बढ़ने वाली है. इससे सतर्क रहने का आग्रह किया गया है. ठंड की तीव्रता अगले सप्ताह से जमकर रहने की संभावना जताई जा रही है. मौसम में उतार-चढ़ाव के साथ ही इसका व्यवसाय तथा दिनचर्या पर भी असर पड़ा है. सुबह लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है. लोगों के मुताबिक ठंड का एहसास होने लगा है. लोग सुबह जल्दी नहीं उठ रहे हैं. विशेष रूप से सुबह की स्कूल वाले बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं.

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भी ठंड की तीव्रता और अवधि बढ़ने की उम्मीद है. ग्लोबल वार्मिंग तब होती है जब पृथ्वी के वायुमंडल में सामान्य से ज़्यादा गर्मी फंस जाती है.मौसम में बदलाव का स्वास्थ्य पर असर पड़कर अस्पतालों में मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है.

साथ देने वाला नहीं होता अकेला

जीवन में सकारात्मक सोच के साथ ही सदैव मदद,सहयोग की भावना रखने वाला व्यक्ती कभी अकेला नहीं होता है. लेकिन जो लोग केवल स्वयं का स्वार्थ साधने का प्रयास करते हैं, वे कभी जीवन में बहुत अधिक आगे नहीं जा पाते हैं. उनका मन कभी भी प्रसन्न नहीं रहता है. किसी की हो सके तो दुवाएं लेने का प्रयास करना चाहिए. बद्दुवाएं बेकार असर डालती हैं. सदैव सोचे हैं लोग हमें अच्छेके रूप में याद रखें या स्वार्थी के रूप में . किसी को अधिक समय तक बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता है.

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान
आजादी का अमृत महोत्सव
आचार-विचार वाला अखबार

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

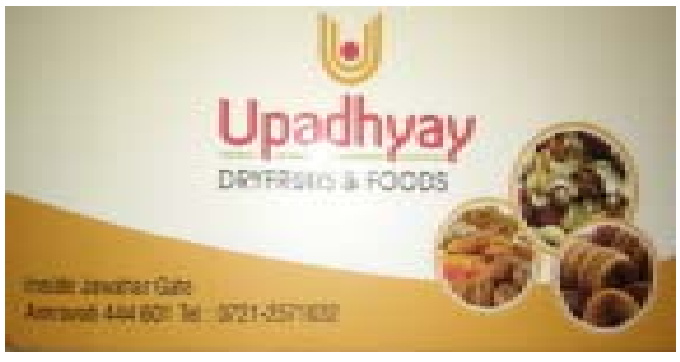

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

गुरूवार 21 से 27 नवंबर 2024

मेष
इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. आपका हर काम इस दौरान सफलता दिलाने वाला होगा. विवाद से बचना होगा. वाहन धीरे से चलाना ठीक रहेगा.

वृषभ
भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी.नाहक किसी से विवाद से बचना श्रेयस्कर रहेगा.

मिथुन
थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क
दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ
आपकी समझदारी से कई समस्याओं का समाधान होगा. यह समझाने का प्रयास करें . समझदारी,विनम्रता से सभी काम बनते जाएंगे. नाहक तनाव लेने से बचें.अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन
इस सप्ताह छोटा सा प्रयास भी आपको सफलता दिलाने का काम कर सकता है. ऐसे में समझदारी से काम करना उचित है.वाहन धीरे से चलाएं, विवाद टालें.

समाज के हर वर्ग के लिए समर्पित संगठन है बीजेएस

अभी तक लाखों गरीब,बेसहारा बच्चों का जीवन संवारा, जलस्तर बढ़ाने में है अग्रणी-सुदर्शन गांग

विदर्भ स्वाभिमान, 20 नवंबर

भारत में संगठनों की कमी नहींहै. लेकिन सरकारी निधि प्राप्त कर सेवा करने वाले संगठनों के बीच भारतीय जैन संगठन ने अपना स्वयं का ऐसा स्थान बनाया है, जो निश्चित तौर पर सराहनीय है. संगठन के संस्थापक अध्यक्ष शांतिलाल मुथा ने जीवन का उद्देश्य तय किया था. उसके मुताबिक आज संगठन ने जिस तरह से मानव सेवा, आपदा प्रबंधन, बच्चों में मूल्यवर्धन शिक्षा के साथ ही भूमि जलस्तर बढ़ाने के क्षेत्र में कार्य किया है, वह निश्चित ही गौरव की बात है. इस आशय का मत संगठन के विश्वस्त और पूरी तरह से समर्पित होकर काम करने वाले सुदर्शन गांग ने कही. उनके मुताबिक वे स्वयं को भाग्यशाली मानते हैं कि इतने बेहतरीन संगठन के माध्यम से समाज तथा देश की सेवा का सौभाग्य मिला.

संगठन द्वारा शिक्षित करने के लिए जिन छात्रों को लिया जाता है, घर से बेहतरीन व्यवस्था में उन्हें रखा जाता है. गांव के बच्चों की पुणे जैसे महानगर में बेहतरीन व्यवस्था, चौबीसों घंटे उन पर नजर, बेहतरीन शिक्षक और छात्रालय की सुविधा की सराहा सभी करते हैं. भारतीय जैन संगठन द्वारा यहां लोगों को दिए गए भोजन की गुणवत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के राजदूत ने जब इस भोजन का स्वाद चखा तो उसने यह कहा कि इस तरह का भोजन अमेरिकी राष्ट्रपति के व्हाइट हाउस में भी नहीं बनता है. भूकंप के समय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शरद पवार थे. बच्चों की शिक्षा का मामला उनके समक्ष आने के बाद उन्होंने भी हरसंभव सहयोग किया.कई दशकों से संगठन का कार्य निरंतर आधुनिकता का साथ लेकिन भारतीय संस्कार, मूल्यों के आधार पर किया जा रहा है.

बच्चों की शिक्षा के काम के साथ ही संगठन के जलस्तर बढ़ाने वाले कार्य की सराहना भी सर्वत्र की गई. इस कार्य में चांदवड संस्था ने सहयोग करते हुए इन सभी बच्चों को किताबें तथा अन्य शैक्षिक साहित्य उपलब्ध कराने का कार्य किया. संगठन के काम से प्रभावित वरिष्ठाधिकारी श्रीनिवास पाटील ने पिंपरी-चिंचवड में विद्यालय चलाने के लिए चार मंजिला सरकारी इमारत का आधा हिस्सा भारतीय जैन संगठन को दिया.अच्छाई को सदैव अच्छा ही अनुभव आने का अनुभव इस समय आया.

बच्चों की शिक्षा के मामले में

साक्षात्कार

शांतिलालजी मुथा सदैव गंभीर रहते हैं. भूकंप के अनुभव के कारण उन्होंने इस दिशा में स्थाई समाधान की दिशा में प्रयास शुरू किया.भारतीय जैन संगठन के कार्य से प्रभावित होकर महाराष्ट्र सरकार द्वारा पुणे के डेक्कन कॉलेज के पास 3 एकड़ सरकारी जमीन भारतीय जैन संगठन को देने का फैसला किया. लेकिन शांतिलालजी मुथा ने इसे लेने से इनकार कर दिया. उन्होंने पुणे के करीब वाघोली में 10 एकड़ जमीन खरीदी. यहां पर 2 लाख 80 हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में भवन निर्माण का कार्य रिकॉर्ड 13 महीने के समय में उस समय की जानी-मानी कंपनी शिर्के एन्ड कंपनी द्वारा किया गया. इस कार्य के शुरूवात के दिन ही 13 महीने में यह निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य कंपनी को दिया गया था. जिस समय यह निर्माण शुरूहुआ निर्माण ठेकेदार कंपनी के संचालक शिर्के द्वारा हेलीकॉप्टर से जब इस निर्माण का निरीक्षण किया गया तो 3 लाख स्क्वायर फीट जगह में केवल लोहे के पिल्लरों का जंगल ही दिखाई देता था.वाघोली में 252 कमरे हैं. इसमें स्कूल, छात्रालय, प्रशासकीय भवन, कंप्यूटर लाइब्रेरी तथा अन्य सुविधाओं का समावेश है. संगठन के काम की व्यापकता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि आज यह परिसर देखने के लिए विश्व भर से लोग यहां पर आते हैं. भारतीय जैन संगठन के प्रमुख के निजी सचिव मुख्याध्यापक अशोक पवार की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रही. जिस समय इस भवन के वास्तु का लोकार्पण किया गया. उस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंद्रकुमार गुजराल शामिल होने वाले थे. लेकिन उसी दिन हटने के कारण राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर जोशी इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि थे.संगठन द्वारा पढ़ाए गए बच्चों में कई आज बड़े-बड़े पदों पर सेवारत हैं और समाज के अन्य बच्चों के लिए सहयोग तथा मार्गदर्शन की भावना रखते हैं.इनमें से कई बच्चे डॉक्टर,इंजीनियर, प्राध्यापक के रूप में आज समाज तथा राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं. बच्चों के भविष्य को राष्ट्र के भविष्य से जोड़ने के साथ ही मानवता की सेवा और आपसी प्रेम, भाईचारा तथा सद्भावना बढ़ाने का काम भी भारतीय जैन संगठन द्वारा किया जाता है.

संगठन का कामकाज है पारदर्शी

जीवन में सच्चाई और ईमानदारी का अत्याधिक महत्व होता है. सच्चाई को दिक्कत हो सकती है लेकिन यह भी उतना ही सच है कि सच्चे मार्ग से किया गया काम असफल नहीं होता है. भारतीय जैन संगठन ने सेवाभाव के साथ ही ईमानदारी, पारदर्शी कार्यप्रणाली को प्राथमिकता में शामिल किया. बेहतरीन नियोजन के साथ ही समर्पित स्वयंसेवकों की टीम को जनता का साथ मिला. बुलढाणा में जलस्तर का अभियान पूरे राज्य ही नहीं तो पूरे देश में चर्चा का विषय बना था. इसकी सराहना तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने की थी.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात सर्वात
जास्त प्लाटस्चे
सौदे करणारे
एकमेव इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो
शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान